विश्व के कल्याण में...

- पेज 1 का शेष...

महासचिव ब्र.कु. निर्वैर भाई, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. संतोष दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. मुन्नी दीदी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा भाई, रशिया सेंट पीटर्सबर्ग स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी, जापान की निदेशिका ब्र.कु. रजनी दीदी, ब्र.कु. शशि दीदी, मुम्बई से आईं घाटकोपर सबज़ोन की निदेशिका ब्र.कु. नलिनी दीदी, मलेशिया की निदेशिका ब्र.कु. मीरा दीदी, हैदराबाद के शांति सरोवर की निदेशिका ब्र.कु. कुलदीप दीदी, युवा प्रभाग की उपाध्यक्ष ब्र.कु. चंद्रिका दीदी, जयपुर सबज़ोन निदेशिका ब्र.कु. सुषमा दीदी, ब्र.कु. अम्बिका बहन, ब्र.कु. सुनन्दा बहन, ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई, ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढ़ा, सस्टेनेबल लीडरशिप जापान की कोच सिस्टर आई यूसुई, डॉ. बिन्नी आदि उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखते हुए दादी को शुभकामनाएं दी। संचालन जयपुर की ब्र.कु. चंद्रकला दीदी एवं ब्र.कु. वंदना बहन ने किया।

150 किलो ग्राम के ड्राई फ्रूट्स की पहनाई दादी को माला

इस शताब्दी महोत्सव को खास बनाने के लिए कानपुर सबजोन की ओर से डेढ़ सौ किलो ग्राम के ड्राई फ्रूट्स की माला दादी को पहनाई गई। इसमें मखाना, किशमिश, काजू तथा बादाम का इस्तेमाल किया गया। इस माला को 15 लोगों द्वारा दस दिन में बनाया गया।

भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. डॉ. रावेन्द्र भाई को एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी भोपाल के तीसरे दीक्षांत समारोह में पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई। उन्हें यह पी.एच.डी. स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन द्वारा 'कोराना महामारी के दौरान समाचार पत्रों में प्रकाशित आध्यात्मिक एवं सकारात्मक खबरों के अध्ययन' विषय पर शोध के तहत राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन के मंत्री एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इंदौर-प्रेमनगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में संजीव श्रीवास्तव,कार्यपालन यंत्री,जल प्रदाय,नगर पालिका निगम इंदौर, डॉ. अर्जुन वाधवानी,सर्जन,हड्डी रोग विशेषज्ञ, ब्र.कु. शशि दीदी,सेवाकेंद्र संचालिका,प्रेमनगर यूनिट, ब्र.कु. शारदा बहन,संचालिका,बैराठी कॉलोनी उपसेवाकेंद्र, ब्र.कु. यश्वनी बहन,संचालिका, बिजलपुर उपसेवाकेंद्र सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

नदबई-भरतपुर(राज.)। होली मिलन समारोह के अवसर पर विधायक कुंवर जगत सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सौम्या सिंह को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. संतोष बहन व ब्र.कु. शिवानी बहन।

निजी गुण, कर्म और स्वभाव की समानता के आधार पर महानता

लॉ यही कहता - "जैसा करोगे वैसा भरोगे"...

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि अभी ब्रह्माकुमार-कुमारी बनते हैं, उसके बाद वह विश्व के महाराज कुमार और महाराज कुमारियां बनते हैं, तो यह हमारा भविष्य है। वर्तमान में अगर कोई के लक्षण ठीक हैं तो वह विश्व के राज्य का अधिकारी बनेगा। अगर वह यहाँ ही फेल हो गया तो भविष्य में राज्य कहाँ से मिलेगा? अब आगे...

कई लोग यह सोचते हैं कि हम भविष्य में क्या बनेंगे? यह कोई हमें बताये। कभी बाबा से बोलने का हमें मौका मिले तो हम बाबा से पूछें कि बाबा हम पहले लक्ष्मी-नारायण के टाइम आयेंगे, दूसरे या तीसरे में आयेंगे, उनके परिवार में नज़दीक होंगे या क्या बनेंगे? थोड़ा बहुत तो हरेक को शौक होता है कि अगर हमें स्पष्ट रूप से पता लग जाये कि हम कहाँ आयेंगे, कैसे आयेंगे, क्या बनेंगे तो अच्छा होगा। लेकिन लॉ यह है कि "जैसा करोगे वैसा भरोगे", "जैसा बोओगे वैसा काटोगे" और बोया जाता है आज और काटा जाता है भविष्य में। अगर आप हो ही ठीक नहीं तो बनोगे क्या? तो इस प्रकार के प्रश्न पूछना ही फालतू है। जो हो उसके अनुसार बनोगे। कर्म का विधान है। कर्म की गति से हमारी सद्गति होगी। अगर अभी हमारे लक्षण ठीक नहीं हैं तो भविष्य भी हमारा ठीक नहीं है, तो कितनी बड़ी बात है! तो हमारी जो प्रैक्टिकल लाइफ है वह इतनी निर्मल हो, इतनी शक्तिशाली हो, ज्ञान की हमारे में इतनी स्प्रिट(धारणा) हो। योग की इतनी अपने में शक्ति हो, दिव्य गुण हममें इतने भरपूर हों जो उसका दूसरों पर प्रभाव पड़े। तब वह बदलेंगे, जो वचन वह बोलेगी वह इतने शक्तिशाली होंगे जैसे बाबा कहते हैं जौहर भरी तलवार जैसे होती है। वह दूसरे को लग जाये, असर करे। तो ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी बनना माना कोई सफेद वस्त्र पहन लेना यानी लिख लेना या सेन्टर पर रहने की बात नहीं है लेकिन जो हमारी प्रैक्टिकल लाइफ है वह शक्तिरूपा हो, वह पवित्ररूपा हो।

पवित्रता और रूहानी शक्ति अगर नहीं है तो ब्रह्माकुमारी सिर्फ नाम की हो गई। वह जैसे एक आर्टीफिशियल गोल्ड होता है, एक रीयल गोल्ड होता है तो उसका मूल्य क्या हुआ? अपने में यह जज करो कि मुझ में कितनी रूहानी शक्ति भरी है? वह रूहानी शक्ति भरने की परीक्षा कैसे करोगे, कैसे मालूम पड़ेगा कि प्युरिटी की पॉवर कितनी आयी है? मुझ में कोई अशुद्ध संकल्प तो नहीं आते? कोई देहधारियों के प्रति आकर्षण तो नहीं होता? कोई किसी के प्रति ईर्ष्या-द्वेष तो पैदा नहीं होता? कोई मन में संसार के प्रति पहनने की, खाने की, घूमने की किसी भी प्रकार की इच्छायें तो नहीं हैं? अगर यह सब चिन्ह ठीक हैं, जैसे डॉक्टर भी जब जाँच करता है तो जुबान देखता है, नब्ज देखता है, थर्मामीटर लगाता है, हाथ पर स्टेथोस्कोप लगाके देखता है और ब्लड टेस्ट करता है, फिर टेस्ट करके कहता है कि आपको फलानी बीमारी है। तो हम लोग भी अपनी पवित्रता की और योग की शक्ति को चेक करें उसकी एक परख तो यह होगी कि उसका दूसरों पर प्रभाव पड़ेगा। - क्रमशः

थोड़ा बहुत तो हरेक को शौक होता है कि अगर हमें स्पष्ट रूप से पता लग जाये कि हम कहाँ आयेंगे, कैसे आयेंगे, क्या बनेंगे तो अच्छा होगा। लेकिन लॉ यह है कि "जैसा करोगे वैसा भरोगे", "जैसा बोओगे वैसा काटोगे" और बोया जाता है आज और काटा जाता है भविष्य में।

गाजियाबाद-मकनपुर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कलश यात्रा एवं शिवलिंग की झाँकी में शामिल हुए निगम पार्षद राधेश्याम त्यागी का स्वागत करते हुए ब्र.कु. नीलम बहन। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी।

दिल्ली-पीतमपुरा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित 'तनावमुक्त जीवन' कार्यक्रम में ब्र.कु. अदिति बहन, एचडीएफसी बैंक पीतमपुरा के ब्रांच मैनेजर आलोक जी तथा विभिन्न बैंकों के अनेक कर्मचारियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।